[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 7628 **L**

Unique Paper Code : 2313200027

Name of the Paper : Methods of Studying Material Cultures

Name of the Course : **DSE**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours
समय : 3 घण्टे

Maximum Marks : 90
पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **Four** Questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. How do primary sources shape our understanding of the past, and what challenges do historians face in interpreting them?

   प्राथमिक स्रोत अतीत के बारे में हमारी समझ को कैसे आकार देते हैं, और इतिहासकारों को उनकी व्याख्या करने में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है?

2. Critically examine the problem of bias in primary sources. How can historians identify and account for such biases in their analysis?

   प्राथमिक स्रोतों में मौजूद पूर्वाग्रह की समस्या का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इतिहासकार अपने विश्लेषण में ऐसे पूर्वाग्रहों की पहचान और उनका समाधान कैसे कर सकते हैं?

P.T.O.

3. Compare the different approaches of interpreting archaeological evidence.

पुरातत्वीय साक्ष्यों की व्याख्या करने के विभिन्न दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए।

4. Discuss the role of scientific techniques (such as dating methods or material analysis) in forming archaeological interpretations.

पुरातत्वीय व्याख्याओं को तैयार करने में वैज्ञानिक तकनीकों (जैसे कि तिथि निर्धारण विधियाँ या सामग्री विश्लेषण) की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

5. Examine the scope and limitations of epigraphic material for the reconstruction of past cultures.

अतीत की संस्कृतियों के पुनर्निर्माण के लिए अभिलेखीय सामग्री के दायरे और सीमाओं का परीक्षण कीजिए।

6. How can inscriptions be used to understand the relationship between political authority and the socio-cultural history of a particular period? Explain with specific examples from ancient and medieval Indian inscriptions.

किसी विशेष कालखंड की राजनीतिक सत्ता और सामाजिक-सांस्कृतिक इतिहास के बीच संबंध को समझने के लिए शिलालेखों का उपयोग कैसे किया जा सकता है? प्राचीन और मध्यकालीन भारतीय शिलालेखों से विशिष्ट उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए।

7. How do coins function as historical sources, and what kind of insights do they provide about economic and political systems of pre 18th century India?

सिक्के ऐतिहासिक स्रोतों के रूप में किस प्रकार कार्य करते हैं, और वे 18वीं शताब्दी से पूर्व के भारत की आर्थिक और राजनीतिक प्रणालियों के बारे में किस प्रकार की जानकारी प्रदान करते हैं?

8. Write short notes on any two of the following:

(a) Post-Processual Archaeology

(b) Punch Marked Coins

(c) Cognitive Archaeology

(d) Mauryan Inscriptions

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिये:

(क) प्रक्रिया-पश्चात पुरातत्व

(ख) आहत सिक्के

(ग) संज्ञानात्मक पुरातत्व

(घ) मौर्यकालीन अभिलेख